तीन दोस्त

● चित्र व कहानी: इन्दु हरिकुमार

बात पुरानी है।
तब बस
तीन ही रंग थे।
लाल, पीला
और नीला!

लाल
टमाटरों,
सेबों, चेरियों
वगैरह-
वगैरह में
रहता था।

और पीला, उसने ही तो
सूरज को इतनी चमक-दमक
दी थी। वह अपने रंग पे फूल
के कुप्पा होता रहता।

नीला आसमान था। समन्दर नीला था।
नीली-नीली ही बूँदें पेड़ों की मुँडियों पर गिरती थीं।

लाल, नीले और पीले पक्के दोस्त थे।

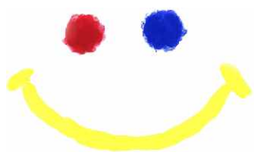

एक दिन वे यूँ ही बैठे बतिया रहे थे। नीले ने कहा, "यार, जब हम तीन हैं तो हमारे इतने मज़े हैं। सोच, अगर हमारे कई दोस्त होते तो कितने मज़े आते।" लाल बोला, "तो चल कुछ करते हैं।" वे तीनों दोस्तों की तलाश में निकल पड़े। लाल जिस तरफ जा रहा था उसी तरफ पीला निकल पड़ा। दोनों हाथ में हाथ डाले चल रहे थे।

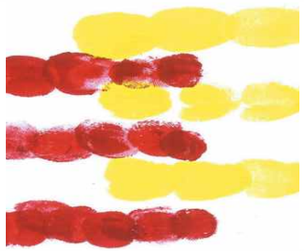

हाथ मिलाते ही उन्हें एक दोस्त मिला। उन्होंने पूछा, "भई, कौन हो तुम?" उसने कहा, "जनाब, बन्दे को नारंगी कहते हैं।" नारंगी और लाल बातों में लग गए। और पीले यह खबर नीले को देने निकल पड़े कि उन्हें एक नया दोस्त नारंगी मिला है।

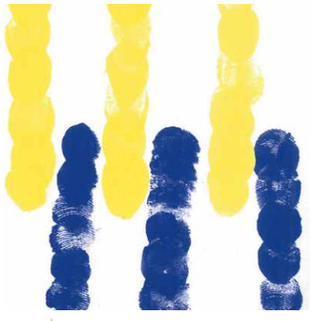

नीले को पीले ने यह खबर सुनाई। और वे दोनों हाथ में हाथ डाले निकल पड़े अपने दोस्तों से मिलने। वे अभी निकल ही रहे थे उन्हें एक और दोस्त मिला। एक और रंग मिला – हरा रंग।

उन्हें अब तक यह पता चल गया था कि हाथ मिलाने में बड़ा जादू है।

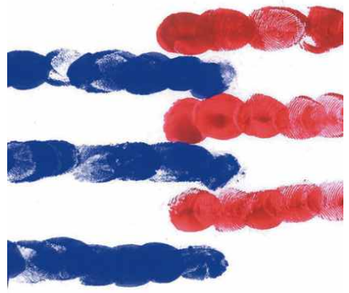

नीला झट-से लाल के पास पहुँचा और उसकी तरफ हाथ बढ़ाया। नीले और लाल के हाथ मिलाने से मिला – बैंगनी।

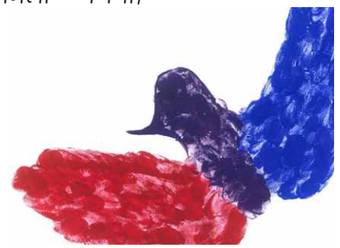

रंगों को मज़ा आने लगा। तीन की जगह छह रंग। तो, मज़ा भी दो गुना हो गया था।

ये थी हाथ मिलाने के जादू की कहानी। कहानी यहाँ खत्म नहीं बल्कि शुरू होती है। रंग मिलते और एक नया रंग बना जाता। रंग तो तुम्हारे पास हैं ही तो पता करो कि कौन-कौन-से रंगों के मिलने से कौन-सा रंग बना होगा।

ग्रेट ऑरेंज टिप

(Hebomonia glaucippe)

पंखों का फैलाव:
80-100 मिलीमीटर

यह सफेद कुल की तितलियों में से सबसे बड़ी तितली है। अक्सर देर सुबह के समय इन्हें फूलों पर मण्डराते देखा जा सकता है। आमतौर पर ये जंगलों के पास वाले इलाकों में दिखती हैं। भारत में ये मैदानों में कम दिखती हैं। ज़्यादा बारिश वाले इलाकों में इन्हें बड़ी संख्या में देखा जा सकता है। पंख बन्द करने पर ये मरी पत्ती जैसी लगती हैं। इसलिए जब ज़मीन पर बैठी हों तो इन्हें पहचानना मुश्किल है। भारत में इस कुल की बहुत-सी तितलियाँ हैं। जैसे, लिटिल ऑरेंज टिप (इनके पंखों का आखिरी सिरा ग्रेट ऑरेंज टिप की तुलना में बहुत छोटा होता है), क्रिमसन ऑरेंज टिप (पंख सफेद, सिरा क्रिमसन), यैलो ऑरेंज टिप (पंख पीले, सिरा नारंगी) आदि। यानी इनके पंखों के आखिरी सिरे का रंग इनकी पहचान हैं।

स्ट्राइप्ड टाइगर

(Danaus genutia genutia)

तितलियाँ इतनी नाज़ुक और कोमल लगती हैं कि इन्हें देख सोचा ही नहीं जा सकता कि ये भी पक्षियों की तरह लम्बी दूरी तय कर सकती हैं। इसे युरोप और अमरीका में इसे मोनार्क तितली के नाम से जाना जाता है। यह सर्दियों में उत्तर से उड़कर लम्बी दूरी तय करती हुई दक्षिण पहुँचती हैं। प्रवास के दौरान इन्हें बड़ी संख्या में फूलों पर मण्डराते देखा जा सकता है। नर-मादा ज़्यादातर एक सरीखे दिखते हैं। फर्क बस इतना है कि नर के निचले पंख पर एक ग्रंथी होती है। एक काली बिन्दी जैसी। इससे वह एक ऐसी मीठी गंध छोड़ता है कि मादा उस की तरफ आकर्षित हो जाती है। चित्र में नीचे वाली तितली में यह ग्रंथी देखी जा सकती है।

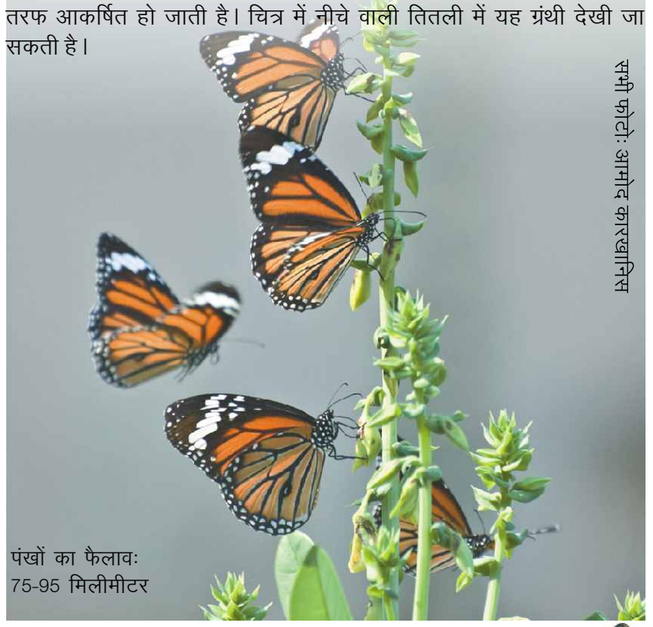

सभी फोटो: आमोद कारखानिस

पंखों का फैलाव:
75-95 मिलीमीटर